•this M.G. network is adequately handling the traffic offered. However, a new B.G. railway line Jogighopa -Guwahati (142 km) with a rail-cum-road bridge across the river Brahmaputra at Jogighopa at a cost of Rs. 444 crores has already been taken up. A sum of Rs. 85 crores was allocated for this project in 1990-91.

**Comprehensive Agricultural Policy**

6. SHRI SOM PAL: SHRI CHIMANBHAI MEHTA:

Will the Minister of AGRICULTURe be pleased to state:

(a) whether Government propose to declare floor prices for major agricultural commodities in view of arrival of monsoons; and

(b) whether Government also propose to submit a comprehensive agricultural policy in the current session of Parliament?

THE MINISTER OF AGRICULTURE (SHRI BALRAM JAKHAR): (a) Proposals for the procurement minimum support prices for Kharif crops of 1991-92 as received from the Commission for Agricultural Costs and Prices are under the consideration of the Government. These would be announced very early.

(b)' No, Sir.

**राजस्थान में सिंचाई परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान किया जाना**

***7. डा० अबरार अहमद : क्या जल-संसाधन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :**

**(क) राजस्थान की कौन-कौन सी सिंचाई योजनाएं केन्द्रीय सरकार के विचाराधीन हैं तथा उन्हें कब तक स्वीकृति प्रदान किए जाने की संभावना है और उन पर कितनी कितनी धनराशि खर्च किए जाने का अनुमान है,**

**(ख) राजस्थान की ऐसी कौन-कौन सी सिंचाई परियोजनाएं हैं जो केन्द्रीय सरकार की सहायता से चलाई जा रही हैं किन्तु अभी पूरी नहीं हुई हैं तथा उसके क्या कारण हैं, और**

**(ग) क्या केन्द्रीय सरकार को राजस्थान में चल रहीं सिंचाई योजनाओं में व्याप्त भ्रष्टाचार के बारे में कोई शिकायतें प्राप्त हुई हैं, यदि हां, तो उनका ब्यौरा क्या है तथा केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में क्या कदम उठाए जा रहे हैं ?**

**जल संसाधन मंत्री (श्री बी० सी० शुक्ल) :** (क) विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है ।

(ख) इंदिरा गांधी नहर परियोजना चरण–II को सीमा क्षेत्र विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत केन्द्रीय सहायता दी गयी है । परियोजना को नवीं योजना से आगे ले जाए जाने का कार्यक्रम है । चरण–II क्षेत्र में स्थिति अधिक ठीक नहीं है तथा सड़क पेयजल आपूर्ति, वनरोपण जैसी अवसंरचना का विकास नहर निर्माण के साथ किया जाना है जो कि अवसंरचना कार्यों से आगे हैं, ताकि अधिवासी वहां जा सकें, क्षमता का उपयोग शीघ्र प्राप्त किया जा सके तथा नहर प्रणालियों में उड़ने वाली रेत से रखरखाव की समस्याएं उत्पन्न न हों ।

(ग) जी, नहीं ।